M.A. 3rd Sem.

Total number of printed pages–7

14 (HIN–3) 3016

2021

(Held in 2022)

HINDI

Paper : HIN–3016

(Ādhunik Kāvya–I)

(आधुनिक काव्य–I)

Full Marks : 64

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प का चयन करते हुए पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) 'उस रुन्दती' विरहिणी के रुदन-रस कगे लेपसे' — यहाँ 'रुन्दती' शब्द का अर्थ है —

(i) एक प्रकार की वनस्पति

(ii) लक्षण

(iii) विरहिणी

(iv) प्रलाप।

Contd.

(ख) 'नभ धरणी बीच बना जीवन रहस्य निरुपाय' — ऐसा किसने कहा है?

(i) राम

(ii) सरोज

(iii) मनु

(iv) अज्ञात प्रियतम।

(ग) कामायनी की इड़ा प्रतीक है —

(i) प्रेम

(ii) बुद्धि

(iii) क्रोध

(iv) चंचलता।

(घ) 'मैं नीर भरी दुख की बदली!' — किस काव्य-संकलन में संकलित है?

(i) नीहार

(ii) रश्मि

(iii) यामा

(iv) सान्ध्यगीत।

(ङ) 'है अमा-निशा; उगलता गगन घन अंधकार;
खो रहा दिशा का ज्ञान; स्तब्ध है पवन-चार;' — ये पंक्तियाँ कहाँ से ली गयी हैं?

(i) कामयनी

(ii) सरोज-स्मृति

(iii) राम की शक्ति पूजा

(iv) मन्दिर का दीप।

(च) 'सरोज-स्मृति' कविता का प्रकाशन-वर्ष है —

(i) 1935 ई.

(ii) 1936 ई.

(iii) 1937 ई.

(iv) 1938 ई.।

(छ) निम्नलिखित में कौन-सा युग्म सही नहीं है?

(i) संधिनी — महादेवी वर्मा

(ii) क्रंदन — जयशंकर प्रसाद

(iii) परिमल — सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(iv) भारत-भारती — मैथिलीशरण गुप्त।

(ज) 'साकेत' का प्रकाशन वर्ष है —

(i) 1931 ई.

(ii) 1934 ई.

(iii) 1936 ई.

(iv) 1938 ई.

(झ) इनमें से कौन-सी रचना सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का नहीं है?

(i) आराधना

(ii) अणिमा

(iii) नये पत्ते

(iv) पंचवटी।

(ञ) 'अनुमान किया जा सकता है कि बुद्धि का विकास, राज्य स्थापना आदि, इड़ा के प्रभाव से ही मनु ने किया है।' — यह उक्ति किसकी है?

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) रामचन्द्र शुक्ल

(iii) महादेवी वर्मा

(iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×7=14

(क) महादेवी के प्रियतम का स्वरूप कैसा है?

(ख) 'छायावाद' शब्द का अर्थ दो अर्थों में समझना चाहिए।' — ये दो अर्थ क्या हैं?

(ग) 'रस है बहुत, परन्तु सखि, विष है विषम प्रयोग' — उक्ति का सन्दर्भ स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'धन्ये, मैं पिता निरर्थक था,
कुछ भी तेरे हित न कर सका।'
— कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

(ङ) 'शक्ति की करो मौलिक कल्पना, करो पूजन'
— ऐसा क्यों कहा गया है?

(च) 'तरल रजत की धार बहा दे
मृदु स्मित से सजनी।' — आशय स्पष्ट कीजिए।

(छ) 'सरोज-स्मृति' कविता की *किन्हीं दो* विशेषताएँ लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×2=10

(क) श्रद्धा की चारित्रिक विशेषताओं पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ख) 'मुझे फूल मत मारो।
मैं अबला बाला वियोगिनी कुछ तो दया विचारो।'
— यह कथन किसका है? क्यों ऐसा कहा गया है?

(ग) 'सरोज-स्मृति' कविता में चित्रित वात्सल्य भाव का चित्रण कीजिए।

(घ) महादेवी की रहस्य भावना पर प्रकाश डालिए।

4. ***किसी एक*** अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×1=10

(क) प्रियतम के गौरव ने लघुता दै है मुझे, रहें दिन भारी।
सखि इस कटुता में भी मधुर स्मृति की मिठास, मैं बलिहारी!

(ख) हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म रहे नत सदा माथ
इस पथ पर मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल!
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
करत करता मैं तेरा तर्पण!

5. ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) 'साकेत' के नवम सर्ग के आधार पर उर्मिला की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) ''कथा पौराणिक है, किन्तु उसे सर्वथा नये परिप्रेक्ष्य में देखने का प्रयास किया गया है।''
— राम की शक्तिपूजा के संदर्भ में कही गयी इस उक्ति की समीक्षा कीजिए।

(ग) महादेवी वर्मा की कविताओं में चित्रित श्रृंगारभावना पर प्रकाश डालिए।

(घ) इड़ा सर्ग के कथ्य की समीक्षा कीजिए।